सॉविनिर

व्याकरण सरोवर

06

TEACHER'S BOOK

सॉविनिर पब्लिशर्स प्रा. लि.

अध्याय-1 भाषा, व्याकरण और लिपि

बहुविकल्पी

1. शुद्ध लिखना	2. बाईस	3. ई-मेल
4. फारसी	5. चार भाग	6. बोली

लिखित प्रश्न

(क) मौखिक भाषा – बोलना व सुनना
लिखित भाषा – लिखित व पढ़ना
हमारी राष्ट्रभाषा – हिंदी
भोजपुरी, ब्रज, अवधी – बोलियाँ

(ख)	1. भाषा	2. मौखिक	3. लिपि	4. लिखित	5. तमिलनाडु	6. देवनागरी
(ग)	1. सही	2. गलत	3. गलत	4. सही	5. सही	6. सही

मौखिक प्रश्न

1. भाषा वह साधन है जिसके द्वारा हम बोलकर या लिखकर अपने विचार प्रकट करते है तथा सुनकर या पढ़कर दूसरे के विचार समझ सकते हैं।
2. जब हम मुँह से बोलकर तथा कानों से सुनकर विचारों का आदान-प्रदान करते हैं, तो उसे मौखिक भाषा कहते हैं।
3. दिन-प्रतिदिन के जीवन में हमारे सारे काम भाषा की सहायता से ही संपन्न होते हैं।
4. ये 22 भाषाएँ हैं। (पाठ पढें)
5. भाषा को लिखने का माध्यम लिपि कहलाता है।
6. व्याकरण वह शास्त्र है जिसके द्वारा हम श्रुद्ध रूप में बोलना लिखना तथा पढ़ना सीखते हैं।
7. भाषा के क्षेत्रीय/स्थानीय रूप के बोली कहा जाता है। राजस्थानी, हरियाणवीख मैथिली आदि बोलियाँ हैं।

गतिविधियाँ

(क) स्वयं करें।

(ख) 1. बोलकर या लिखना 2. सुनकर या पढ़कर 3. हिंदी
4. संकेतों से भावों की स्पष्ट पहचान नहीं होती।
5. हिंदी दिवस 14 सिंतबर को मनाया जाता है, क्योंकि इस दिन 1949 में हिंदी को राष्ट्रभाषा का दर्जा प्रदान किया गया था।

(ग)	तमिल	–	तमिलनाडु में	अंग्रेजी	–	अमेरिका, बिटेने में
	बंगाली	–	पश्चिम बंगाल में	चीनी	–	चीन में
	उड़िया	–	ओडिशा में	जापानी	–	जापान में
	असमिया	–	असम में	उर्दू	–	पाकिस्तान में

(घ) 1. उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, बिहार, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाण, राजस्थान, हिमाचल प्रदेश आदि।
2. भाषा का क्षेत्रीय रूप बोली कहलाता है। बोली में सामान्यत: साहित्य रचना नहीं होती परंतु कभी-कभी जब बोली में भी कोई साहित्यिक रचना हो जाती है, तब वह उपभाषा वन जाती है।

(ङ) स्वयं करें।

अध्याय-2 वर्ण व्यवस्था

बहुविकल्पी

1. अक्षर   2. ग्यारह   3. वर्ण   4. क, ग, ङ, च

4. ठ,ढ, थ, ध

लिखित प्रश्न

(क) बंधन   आँवला   चाँद   आँख

पलंग   शंख   जंगल   कुआँ

चंदन   पाँच   धुआँ   साँप

(ख)

अल्पप्राण	महाप्राण
च	ख
ज	थ
क	घ
ग	छ
द	श
न	ष
र,ल,व,ड़	ह
	ढ़, ठ, ढ

(ग)

र	–	रहीम	रमेश	रमजान
ʿ	–	कर्म	धर्म	वेशर्म
ˏ	–	प्रभात	प्रेम	प्रसन्न
‸	–	ट्रेन	ड्रम	ट्राम

(घ) चक्कर   गुब्बारा   अस्त   त्याग

दुर्भाग्य   निकम्मा   जन्म   रास्ता

(ङ) 1. अमोगवाह/अनुस्वार   2. वर्णमाला   3. अंग्रेज़ी   4. कम   5. रेफ

(च)

नायक – न् + आ + य् + अ + क् + अ

राजमहल – र् + आ + ज् + अ + म् + अ + ह् + अ + ल् + अ

सरोवर – स् + अ + र् + ओ + व् + अ + र् + अ

हिरन – ह् + इ + र् + अ + न् + अ

बगीचा – ब् + अ + ग् + ई + च् + आ

महोदय – म् + अ + ह् + ओ + द् + अ + य् + अ

सुंदर – स् + उं + द् + अ + र् + अ

मौखिक प्रश्न

1. हमारे मुँह से उच्चारित ध्वनियों के लिखित रूप को वर्ण कहते हैं।
2. वर्णों के समूह को वर्णमाला कहते हैं।

3. जो वर्ण स्वंतत्र रूप से प्रयोग किए जाते है, स्वर कहलाते हैं। जैसे - अ, ई, उ, ओ आदि।
   जिन वर्णों के प्रयोग में स्वरों की सहायता लेनी पड़ती है, उन्हे व्यंजन कहते हैं। जैसे- क, ख , च, छ, त, य आदि।
4. स्वर के दो भेद है- ह्रस्व स्वर तथा दीर्घ स्वर।
5. पाठ पढें।
6. दो समान या भिन्न व्यंजनों के मेल से संयुक्त व्यंजन बनते है।

गतिविधियाँ

(क) स्वयं करें।

अध्याय-3 शब्द-विचार

बहुविकल्पी

1. तत्सय	2. देशज शब्द	3. रूढ़	4. पादप
5. जल-पानी, इज्जत	6. रसोईघर		

लिखित प्रश्न

(क)	घृत	-	घी	सर्प	-	साँप			
	उष्ट	-	ऊँट	श्वेत	-	फफेड़			
	दुग्ध	-	दुध	कर्ण	-	कान			
	मयूर	-	मोर	पुत्र	-	पूत			
	रात्रि	-	रात	नव	-	नया			
(ख)	सौगात	-	तुर्की	कैंची	-	तुर्की	फीता	-	पुर्तगाली
	फालतू	-	पुर्तगाली	भाषा	-	फारसी	चिक	-	तुर्की
	सिनेमा	-	अंग्रेजी	कालीन	-	फारसी	मशीन	-	अंग्रेजी
	गरीब	-	फारसी	कालीन	-	तुर्की			
	चाबी	-	पुर्तगाली	हेनक	-	फारसी			

(ग)	रूढ़	यौगिक	योगरूढ़
	चित्र	पानवाला	लंबोदर
	हाथी	देवदूत	नीलकंठ
	आदमी	चारपाई	हिमालय

(घ) 1. दादी जी के रोचक कहानी सुनाई
2. उसके नेत्र भर आए।
3. बच्चों की परीक्षा निकट आ गई है।
4. रात भर तेज आँधी चलती रही।

मौखिक प्रश्न

1. एक निश्चिय अर्थ देने वाले वर्ण–समूह को शब्द कहते हैं।
2. पाठ पढ़ें।
3. दो या दो में अधिक शब्दों के मेल से बने शब्द यौगिक शब्द कहलाते हैं।
   जो शब्द दो शब्द के मेल से बने हों, इन्हें योगरूढ़ शब्द कहते हैं।
4. समान अर्थ व्यक्त करने वाले शब्द पर्यायवाची शब्द कहलाते हैं।
5. पाठ पढ़ें।

गतिविधियाँ

(क) 1. पद
2. लोक भाषाओं या बोलियों से
3. लाभ क्योंकि हिंदी का भाषा भंडार समृद्ध हुआ।
4. योग रूढ़ शब्दों के प्रयोग से भाषा विशिष्ट बन जाती है।

(ख) स्वयं करें।

(ग) गजानन – गणेश
विषधर – सर्प
पंकज – कमल
चतुरानन – ब्रह्मा
दशानन – रावण
नीलकंठ – शंकर

अध्याय–4 शब्द रचना

बहुविकल्पी

1. अन् 2. दुर् 3. घुमक्कड़ 4. पाठकता 5. अना

लिखित प्रश्न

(क) एक– अन् + एक = अनेक
सान– वि + सान = विसान
पुत्र – सु + पुत्र = सुपुत्र
पका – अध + पका = अधपका
सार– अनु + सार = अनुसार
अधिक – अति + अधिक = अत्यधिक
कर्म– सत् + कर्म = सत्कर्म
फल – वि+ फल = विफल
शेष – वि + शेष = विशेष

(ख) उप – उपयुक्त – पी.टी.एम. के लिए शनिवार का दिन सबसे उपयुक्त है।

पुरा – पुरापाषाण– पुरापाषाण काल में आदि मानव पत्थर के औजार बनाता था।

स – सपूत – महाराणा प्रताप भारत के वीर सपूत थे।

उन – उनतीस – कक्षा में आज उनतीस बच्चे थे।

भर – भरपेट – भरपेट भोजन करना चाहिए।

(ग)

मुल शब्द	प्रत्यय
उड़ा	या
सोना	आर
ठेल	आ
काम	ई
रसोई	या
बाल	क
तपस्या	ई

(घ) आहर – कड़वाहट – दवाई खाने के बाद मुँह कर नहीं हो रही है।

एटा – चचेरा – रमेश मेरा चचेरा भाई है।

वान – धनवान – धनवान की सभी इज्जत करते हैं।

हला – सुनहला – आसमान में सुनहला इंद्रधनुष निकला है।

मौखिक प्रश्न

1. जो शब्दांश मूल शब्दों के प्रारंभ में लगकर उनके अर्थ में परिवर्तन कर देते है, उन्हें उपसर्ग कहते हैं।
2. जो शब्दांश मूल शब्दों के अंत में लगकर उनके अर्थ में परिवर्तन कर देते हैं उन्हें प्रत्यय कहते हैं।

गतिविधियाँ

(क) असमानता, अविश्वसनीय, अचिंतित

बदनीयती, बेरहमी, बेइज्जती

अपमानित, असफलता

(ख) समाचार, अप्रत्यक्ष, पर्यावरण, दुर्व्यवहर

प्रत्याघात, व्याकरण, --, --

(ग) मान – अपमान, सफल – असफल, आवश्यक – अनावश्यक

सीमित – असीमित, सुंदर – असुंदर, ईश्वर – अनीश्वर

अध्याय-5 संधि

बहुविकल्पी

1. गण + ईश 2. सरोज 3. धमत्मि 4. छोटा + पन

लिखित प्रश्न

(क)	यथार्थ	कवीश
	सूक्ति	दिग्दर्शन
	वाङ्मय	भवन
	अत्यत	नगेश
	मनोरथ	पयोधर
(ख)	गज + आनन	सत् + जन
	लघु + अमि	कवि + ईश
	दिक्र + अंत	पौ + अक
	आशी: + वाद	उत् + चारण
	सब + ही	अत: + एव
	सम् + योग	हाथ + कड़ी

(ग) 2. सदैव 3. घनानंद 4. दावानल 5. अत्यंत 6. निर्षध 7. वीरांगना

मौखिक प्रश्न

1. दो वर्णो के परस्पर मेल से उत्पन्न परिवर्तन को संधि कहते हैं।
2. संधि के द्वारा बनै शब्दों को पुन: अलग-अलग करना संधि विच्छेद कहलाता है।
3. संधि के तीन भेद है। 1. स्वर संधि 2. व्यंजन संधि 3. विसर्ग संधि

गतिविधियाँ

(क)	नरेंद्र - नर + इंद	धर्मेश - धर्म + ईश
	सानेन्द्र - सान + इन्द्र	रवीन्द्र - रवि + इन्द्र
	सुरेश - सुर + ईश	महेश - महा + ईश

(ख) 1. नियमानुसार 2. परोपकार 4. शिक्षालय 5. महोत्सव

अध्याय-6 समास

बहुविकल्पी

1. अत्ययीभाव 2. बहुव्रीहि 3. तत्पुरूष 4. द्वंद्व 5. कर्मधारम 6. द्विगु

लिखित प्रश्न

(क)	दस आनन हैं जिसके	-	बहुव्रीहि समास
	जीवन भर/जन्म से लेकर	-	अत्ययीभाव समास
	नवरात्रियों का समाहार	-	तत्पुरूष समास

	दिन और रात	– द्विगु समास
	तीन शूलों का समूह	– द्विगु समास
	सम्मान को प्राप्त	– तत्पुरूष समास
	नील कंठ है जिसका	– बहुव्रीहि समास
	हाथ के लिए कड़ी	– तत्पुरूष समास
(ख)	धरती–आकाश	– द्वंद्व समास
	आजन्म	– अत्ययीभाव समास
	यशप्राप्त	– तत्पुष समास
	पंकज	– बहुव्रीहि समास
	भरपेट	– अत्ययीभाव समास
	भयमुक्त	– तत्पुरूष समास
	पुरूषोत्तम	– कर्मधारय समास

मौखिक प्रश्न

1. अनेक शब्दों को मिलाकर संक्षित्त करने की प्रक्रिया समास कहलाती है।
2. समास के छः भेद है।

गतिविधियाँ

पाठ पढ़कर स्वयं करें।

अध्याय–7 संज्ञा

बहुविकल्पी

1. तीन 2. नदी 3. दिल्ली 4. चढ़ाई 5. चातुर्य

लिखित प्रश्न

(क)	कवि	–	कवित्व	जीतना	–	जीत
	युवा	–	यौवन	मीठा	–	मिठास
	गरमी	–	गरमी	बच्चा	–	बचपन
(ख)	स्त्री	–	स्त्रीत्व	खट्टा	–	खट्टापन/खटाई
	हँसना	–	हँसी	प्रसन्न	–	प्रसन्नता
	भक्त	–	भक्ति	गहरा	–	गहराई
	सरल	–	सरलता	मम	–	ममता/ममत्व
	धोना	–	धुलाई	बालक	–	बालपन
	हरा	–	हरियाली	सती	–	सतीत्व
	अपना	–	अपनापन	हारना	–	हार
(ग)	नदी	–	जातिवाचक	कवि	–	जातिवाचक

बचपन	- भाववाचक		हिमालय	-	व्यक्तिवाचक
रजनी	- व्यक्तिवाचक		गंगा	-	व्यक्तिवाचक
बालक	- जातिवाचक		सुंदरता	-	भाववाचक
हँसी	- भाववाचक		पर्वत	-	जातिवाचक
बुढ़ापा	- भाववाचक		जीत	-	भाववाचक
युवा	- जातिवाचक		भारत	-	व्यक्तिवाचक

(घ) 1. बुढ़ापा 2. बचपन 3. हरियाली 4. चतुरता 5. मिठास

मौखिक प्रश्न

1. किसी व्यक्ति, स्थान, प्राणी या भाव के नाम को संज्ञा कहते हैं। संज्ञा के मुख्य भेद तीन हैं।
2. व्यक्तिवाचक संज्ञा किसी विशेष व्यक्ति, वस्तु या स्थान का बोध कराती है जबकि जातिवाचक संज्ञा शब्द से उसकी पूरी जाति, वर्ग या समूह का बोध होता है।
3. भाववाचक संज्ञा जातिवाचक संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण तथा क्रिया शब्दों से बुनाई जाती हैं।

गतिविधियाँ

(क)	व्यक्तिवाचक संज्ञा –	लाल किला	महात्मा गांधी	
		चेन्नई	सायना नेहवाल	कमल
(ख)	जातिवाचक संज्ञा –	फूल	पुस्तक	गाय
		नदी	चिड़िया	
(ग)	भावचाचक संज्ञा –	बुढ़ापा	अधीरता	गरमी
		मुस्कान	क्रोध	

वाक्य स्वंय बनाएँ।

(घ)

व्यक्तिवाचक	**जातिवाचक**	**भाववाचक**
महात्मा गांधी	बात	शांति
भारत	आंदोलन	दृढ़ता
चंपारन	सरकार	स्पष्टता
खेड़ा	सूचनाएँ	नेतृत्व
बारदोली	तथ्य	नेतृत्व

अध्याय-8 लिंग

बहुविकल्पी

1. दो भेद 2. बाला 3. प्रिया 4. रूपवती 5. साँपिन

लिखित प्रश्न

(क)	गुणवान – गुणवती	प्रिय	– प्रिया
	हिरन – हिरणी	चाचा	– चाची
	पिता – हिरणी	दादा	– दादी

	बिलाव – बिल्ली		गायक – गायिका
	श्रीमान – श्रीमती		हंस – हंसिनी
	चूहा – चूहिया		नर – नारी
	शिक्षक – शिक्षिका		
(ख)	जनवरी – पुल्लिग		हिमालय– पुल्लिग
	आयु – स्त्रीलिंग		जापानी – स्त्रीलिंग
	चाय – स्त्रीलिंग		पृथ्वी – स्त्रीलिंग
	इमली – स्त्रीलिंग		चैन – पुल्लिग
	मोती – पुल्लिग		रविवार – पुल्लिग

(ग) 2. गायिका गाना गा रही है।

3. शेर दौड़ रहा है।

4. सभी युवतियाँ चित्र देख रही हैं।

5. घोड़ी तेज दौड़ती है।

मौखिक प्रश्न

1. स्त्री पुरूष की पहचान कराने वाले शब्द लिंग कहलाते हैं।
2. पुरूष जाति का बोध कराने वाले शब्द पुल्लिंग तथा स्त्री जाति का बोध कराने वाले शब्द स्त्रीलिंग कहलाते हैं।

गतिविधियाँ

(क) स्वयं करें।

(ख) पायिन

सेविका

सेठानी

नानी

नागिन

बहन

बछिया

बुढ़िया

बुआ

अध्याय–9 वचन

बहुविकल्पी

1. हस्ताक्षर 2. प्राण 3. गुरूजन 4. दोनों 5. चिड़ियाँ/चिड़ियों

लिखित प्रश्न

(क) 1. डर के मारे चौर के होश उड़ गए।

2. क्या अपने पिता जी ने हस्ताक्षर किए।

3. आजकल संतो के दर्शन दुर्लभ हैं।

4. हमारा घी युद्ध है।

5. आज के समाचार अच्छे हैं।

(ख)

माता	-	माताएँ	सड़क	-	सड़के
तोता	-	तोते	मुरगा	-	मुरगे
बाला	-	बालाएँ	छात्र	-	छात्रगण
गुड़िया	-	गुड़ियाँ	बेटा	-	बेटे
गुरू	-	गुरूओं/गुरूजन	पुजा	-	प्रजाजन
चाबी	-	चाबियाँ	बछिया	-	बछियाँ

(ग) 1. उसने मालाएँ बनाई।

2. घाटियाँ हरी-भरी हैं।

3. नदियाँ सागर में जाकर गिरती हैं।

4. छात्रएँ सभागार में उपस्थित हैं।

5. पेड़ की डालियाँ सूख गई हैं।

(घ)

सड़के	-	सड़क	वधुएँ	-	वधू
दिशाएँ	-	दिशा	पंखे	-	पंखा
चोटियाँ	-	चोंटी	चाबियाँ	-	चाबी
बकरे	-	बकरा	गौएँ	-	गौ

(ड़) 1. संख्या 2. गलत 3. गलत 4. गलत 5. सही

मौखिक प्रश्न

1. शब्द के जिस रूप से उसके एक या अनेक होने का पता चले, उसे वचन कहते हैं।
2. एक व्यक्ति या वस्तु का बोध कराने वाले शब्द को एकवचन तथा एक से अधिक का बोध कराने वाले शहर को बहुवचन कहते हैं।

गतिविधियाँ

(क) स्वयं करें

(ख) स्वयं करें

स्वयं करें

(घ)

वर्षा	-	वर्षा हो रही है।	गण	-	छात्रगण उपस्थित हैं।
पानी	-	पानी बह रहा है।	जन	-	प्रजाजन दुखी है।

(ङ) भेड़ - बकरियाँ छात्र - छात्राएँ

अध्याय-10 कारक

बहुविकल्पी

1. अपादान 2. संप्रदान 3. अधिकरण 4. संबंध 5. कर्म

लिखित प्रश्न

(क) 1. से 2. में 3. का 4. ने 5. अरे

(ख) के द्वारा – प्रधानाचार्य जी के द्वारा

के लिए – मोहन के लिए संतरा लाओ।

को – कक्षा में तीस छात्र उपस्थित थे।

में – राघव ने पाठ पढ़ा।

पर – पुस्तक मेज पर रखी है।

की – रमन की बहन आ रही है।

हे! – हे भगवान! हमें शक्ति और बुद्धि दो।

से – गाय घर से निकल रही है।

मौखिक प्रश्न

1. संज्ञा या ससर्वनाम के जिस रूप के उसक संबधं वाक्य के किसी दूसरे शब्द से माना जाए उसे कारक कहते हैं।
2. कारक चिह्न परसर्ग या विभक्तियाँ कहलाते हैं।
3. कारक के आठ भेद हैं।

गतिविधियाँ

(क) स्वयं करें

(ख) अरे! – संबोधन

जंगल से – अपादान

बाजार में – अधिकरण

मेरे घटना – संबंद

बच्चों को – कर्म

मेरी – संबध

तालाब में – अधिकरण

कुल्हाड़ी लिए – संप्रदान

घर में – अधिकरण

कुल्हाड़ी से – करण

अध्याय-11 सर्वनाम

बहुविकल्पी

1. कोई 2. निज वाचक 3. यह रमन का बस्ता है 4. तुम 5. अपने आप

लिखित प्रश्न

(क) 2. मेरा 3. किसको 3. जिसे 4. जिसे 5. उसकी

(ख) 2. मैं – पुरूषवाचक

3. जो-सो – संबंधवाचक

4. यह-वह – निश्वयवाचक

5. कुछ – अनिश्वयवाचक

(ग) 2. उन्होंने मुझसे कहा था।

3. इसका नाम मुझे मालूम नहीं।

4. किसने पुस्तक चुराई?

5. इस कमरे में किा सामान है?

(घ) 1. भाप के पिताजी क्या करते हैं? वे हमसे मिलना पसंद करेंगे?

2. आप डॉ.रमन हैं। वे यहीं आ रही हैं।

(ङ) अपने आप – तुम सब बैठो। करने वाले अपने आप ले आएगा।

आप – आप शनिवार को आ जाइए।

हम – हम कल सुबह आगरा जा रहे हैं।

उन्होंने – उन्होंने हमारे लिए नाव का इंतजाम कर दिया

जो–सो – जो पढ़ेगा जो पास होगा।

मौखिक प्रश्न

1. संज्ञा के स्थान पर आने वाले शब्द सर्वनाम कहलाते हैं।
2. सर्वनाम के छह भेद हैं।
3. निश्चित वस्तु या व्यक्ति का बोध कराने वाले सर्वनाम निश्चय वाचक तथा अनिश्चित वस्तु या व्यक्ति का बोध कराने वाले सर्वनाम अनिश्वयवाचक कहलाते हैं।
4. पुरूषवाचक सर्वनाम के तीन उपभेद हैं– उत्तम पुरूष, मध्यम पुरूष तथा अन्य पुरूष।

गतिविधियाँ

(क) 1. 'मुझे', क्योंकि यहाँ 'को' विभक्ति की जरूरत नहीं है।

2. निश्चय वाचक सर्वनाम या क्रोध

3. अपनापन या लगाव। व्यक्त करने के लिए।

4. स्वयं करें।

(ख) 1. नेहा ने <u>अपनी</u> सहेली विजेता से कहा कि <u>वह</u> आज बीमार है तथा <u>उसे</u> डॉक्टर के पास जाना है। अत: वह आज विद्यालय नहीं जा सकेगी, इसलिए <u>उसका</u> है। दिन के अवकाश का प्रार्थना पत्र ले जाना।

2. रमन से अमन से पूछा– "वह कल मेला देखने जाएगा। क्या <u>वह</u> भी <u>उसके</u> साथ चलेगा? अमन ने <u>उसे</u> बताया– उसको घर पर कुछ काम है, अत: <u>वह</u> कल अकेला चला जाए। <u>व</u>ह <u>उसके</u> साथ फिर कभी चलेगा।"

अध्याय–12 विशेषण

बहुविकल्पी

1. कठोर 2. ऊँचा 3. यह बस्ता 4. कुछ बालक 5. गहरा

लिखित प्रश्न

(क) दिन – दैनिक ईर्ष्या – ईष्यालु

हर्ष – हर्षित ऊपर – ऊपरी

बल – बलवान पीना – पियक्कड़

जो	– जैसा	अड़ना	– अड़ाका
पत्थर	– पथरीला	रोग	– रोगी
उड़ना	– उड़ाका	चाय	– चायवाला

(ख) 1. → 5 2. → 7 3. → 8 4. → 6 5. → 1 6. → 4
7. → 2 8. → 3

(ग) 1. अच्छे 2. बडा 3. पके 4. ऊँची 5. मजबूत 6. रंग-बिरंगे

(घ)

कठोर	–	कठोरतर	कठोरतम
श्रेष्ठ	–	श्रेष्ठतर	श्रेष्ठतम
मधुर	–	मधुरतर	मधुरतम
प्रिय	–	प्रियतर	प्रियतम
निम्न	–	निम्नतर	निम्नतम
अधिक	–	अधिकतर	अधिकतम
तीव्र	–	तीव्रतर	तीव्रतम

मौखिक प्रश्न

1. संज्ञा या सर्वनाम की विशेषता बताने वाले शब्द विशेषण कहलाते हैं।
2. विशेषण के चार भेद हैं– गुणवाचक, संख्यावाचक, परिमाणवाचक और सार्वनामिक विशेषण।
3. विशेषण की विशेषण बताने वाले शब्दों को प्रविशेषण कहते हैं।
4. तीन अवस्थाएँ–मूलावस्था, उत्तरावस्था, उत्तमावस्था।

गतिविधियाँ

1. स्वयं करें।
2. स्वयं करें।

अध्याय-13 क्रिया

बहुविकल्पी

1. धातु 2. कोई कर्म नहीं 3. सकर्मक क्रिया 4. अकर्मक
5. संयुक्त क्रिया 5. सुलवाना

लिखित प्रश्न

(क) 1. बजने, लगीं 2. गिर, पड़ा 3. आ, गया 4. लिख, लिया
5. जाने, लगे 6. रख, दीजिए

(ख) 1. अकर्मक 2. सकर्मक 3. अकर्मक 4. सकर्मक
5. सकर्मक 6. अकर्मक

(ग) 1. पढ़कर 2. उठाकर 3. उठकर 4. निकालकर 5. काटकर
6. उठाकर

(घ)

चकरा	– चकराना	जा	– जाना
सहला	– सहलाना	हवा	– खिलाना
नाच	– नचाना	लिख	– लिखना
रौ	– रूलाना	पढ़	– पढ़ाना

(ङ) 1. चाचा जी आ रहे हैं।
2. मैंने सबको बता दिया था।
3. चिड़ियाँ आसमान में उड़ रही हैं।
4. ट्रक धीरे-धीरे चल रहा है।
5. माता जी खाना बना रही हैं।

मौखिक प्रश्न

1. किसी काम का करना या होना क्रिया कहलाता है।
2. अकर्मक क्रिया, सकर्मक क्रिया, द्रविकर्मक क्रिया।
3. सामान्य क्रिया, संयुक्त क्रिया, नामधातु क्रिया पेरणार्थक क्रिया, पूर्वकालिड क्रिया।
4. जो क्रियाएँ अपना पूर्ण अर्थ व्यक्त नहीं कर पाती उन्हें, अपूर्ण क्रियाएँ कहते हैं।

गतिविधियाँ

(क)

अपनाना	– हमें सभी धर्मग्रंथों की अच्छी बातों को अपनाना चाहिए।
खिचवाना	– खाता खेलने के लिए फोटो खिचवाना पड़ेगा।
पढ़वाना	– पत्र अग्रेजी में है इसलिए किसी से पढ़वाना पड़ेगा।
चढ़वाना	– गेहूँ सुखाने के लिए उन्हे छत पर चढ़वाना पड़ेगा।
सुनाना	– कल कविता को कहानी सुनाना है।
पिलवाना	– रविार को सरकार द्वारा छोटे बच्चों को पोलियों की दवा पिलावाई गई।
दिलाना	– शिक्षक ने मोहन को ट्राफी दिलाई।

चलवाना – स्वस्थ होने के लिए मरीज को रोज –रोज चलवाना पड़ेगा।

सिलवाना – होली पर मुझे नए कपड़े सिलवाना है।

जितवाना – मैदान पर उपस्थित रहकर हमें अपनी टीम को जितवाना है।

सुलाना – काम करने के लिए पहले बच्चे को सुलाना पड़ेगा।

(ख) अकर्मक – जगना कहना सेना बैठना जाना आना हसँना

सकर्मक – पढ़ना देना पीना देखना लिखना सुनना

(ग) 1. उसका कहना मानो।

2. स्वाति घर से निकल रही है।

3. अर्चना कक्षा की मानीटर बन गई है।

4. गुलाब का फूल सुदंर है।

अध्याय–14 क्रिया:काल

बहुविकल्पी

1. तीन 2. भूतकाल 3. अविस्यत् काल 4. वर्तमान काल

लिखित प्रश्न

(क) 1. रानी क्या कर रही है?

2. वह क्या खा रहा है?

3. बच्ची सो रही है।

4. बालक खेल रहे हैं।

(ख) 1. भूतकाल 2. भविष्यत काल 3. वर्तमान काल 4. भूतकाल 5. वर्तमान काल

मौखिक प्रश्न

वर्तमान काल	**भूतकाल**	**भविष्यत काल**
1. रमा स्कूल जा रही है।	1. मोहन बाजार गया।	1. रोहित आगरा जाएगा।
2. फूल खिल रहे हैं।	2. सीमा लौट आई है।	2. किरण गाना गाएगी
3. सूर्य उदय हो रहा है।	3. रमेश खा चुका है।	3. हम क्रिकेट खेलेंगे।
4. किसान हल चला रहा है।	4. पानी बरसा।	4. विराट की शादी मार्च में होगी।

अध्याय–15 क्रिया विशेषण

बहुविकल्पी

1. चार 2. स्थानवाचक 3. रीतिवाचक 4. कालवाचक 5. परिमाणवाचक

लिखित प्रश्न

(क) 1. थोड़ा 2. अभी 3. दिनभर 4. इधर 5. ऊपर

(ख) 1. वह खूब हँस रहा था।

2. रमा अच्छा गाती है।

3. पानी बरसता है।
4. शेर जोर से दहाड़ता है।
5. धूप में इधर-उधर मत घूमो।
6. महेश कम बोलता है।
7. रवि तेज़ दौड़ता है।

(ग)

	विशेषण	क्रियाविशेषण
1.	विशेषण	--
2.	---	क्रियाविशेषण
3.	---	क्रियाविशेषण
4.	---	क्रियाविशेषण
5.	---	क्रियाविशेषण
6.	---	क्रियाविशेषण
7.	विशेषण	---
8.	विशेषण	---

मौखिक प्रश्न

1. क्रिया की विशेषता बताने शब्दों को क्रियाविशेषण कहते हैं।
2. क्रियाविशेषण के चार भेद हैं।

गतिविधियाँ

अच्छा - रमेश अच्छा लड़का है।
मोहित अच्छा लिखता है।

साफ - मोहित अच्छा लिखता है।
साफ-साफ बोलो।

कम - दाल में कम नमक डालो।
कम खाओ, अधिक पचाओ।

तेज़ - तेज लड़का आगे चल रहा है।
तेज दौड़कर आओ।

मीठा - मीठा सेब ले आओ।
सब से मीठा बोलो।

अध्याय-16 संबंधबोधक

बहुविकल्पी

1. साधनवाचक 2. उद्देश्य मूलक 3. कालवाचक 4. उद्देश्यमूलक

लिखित प्रश्न

(क) 1. की अपेक्षा 2. के साथ 3. के आसपास 4. के हाथ 5. के योग्य 6. के अंदर

(ख) 1. के सामने – संबंधबोधक

2. अंदर, बाहर – क्रियाविशेषण

3. दिनभर – क्रियाविशेषण

4. के हाथों – संबधाबोधक

मौखिक प्रश्न

जो शब्द वाक्या में दूसरे शब्दों के साथ संबंध प्रकट करते हैं, संबंधबोधक कहलाते हैं।

गतिविधियाँ

(क) की जगह – इस बर उज्जैन की जगह इलाहाबाद में कुंभ का आयोजन होगा।

से आगे – रमेश से आगे मोहन चल रहा है।

की ओर – गाँव के पीछे की ओर नदी बह रही है।

के कारण – नदी के कारण मैं गाड़ी नहीं पकड़ सका।

(ख)

स्थानवाचक	कालवाचक	विरोधवाचक	सादृश्यवाचक
के आगे	के उपरांत	के विपरीत	के अनुसार
के सामने	के पहले	के खिलाफ	की तरह

अध्याय–17 समुच्चयबोधक

बहुविकल्पी

1. व्यधिकरण 2. समानाधिकरण 3. योजन 4. समानाधिकरण

लिखित प्रश्न

(क) 1. और 2. परंतु 3. तो 4. अन्यथा 5. अतः

(ख) 1. और 2. यदि, तो 3. जो, तो 4. या 5. अथवा

मौखिक प्रश्न

1. दो शब्दों, शब्दांशों या वाक्यों को जोड़ने वाले शब्दों को समुच्चय बोधक कहते हैं।
2. समुच्च्क बोधक के दो भेद हैं– समानाधिकरण एवं व्यधिकरण।

गतिविधियाँ

वरना – ठील के पढ़ाई करो वरना फेल हो जाओगे।

अथवा – मैं दिल्ली जाऊँगा अथवा आगरा।

इसलिए – बहन की शादी है इसलिए मैं नहीं आ पऊँगा।

क्योंकि – सुबह मैं जल्दी निकलूँगा क्योंकि मुझे अस्पताल जाना है।

फिर भी – विवाह स्थल घर से दूर है फिर भी मैं जाऊँगा।

यदि तो – यदि तुम चलो तो मैं कुछ कुंभ की टिकट बुक करवाऊँ।

अध्याय-18 विस्मया बोधक

बहुविकल्पी

1. हाय 2. हैं 3. खबरदार 4. बने रहो 5. हाम

लिखित प्रश्न

(क) 1. सावधान 2. बाप रे बाप 3. अरे 4. छि: 5. सावधान 6. शाबाश

(ख) सावधान – सावधान! उधर साँप बैठा है।

बाप रे बाप! – बाप रे बाप! इतना घिनौना काम।

बने रहो! – बने रहो! खूब फलो फूलो।

शाबाश! – शाबाश! ऐसा ही प्रदर्शन करते रहो।

खामोश! – खामोश! ज्यादा बोलना तुम्हारे लिए ठीक नही है।

अच्छा! – अच्छा! ठीक है चले जाओ।

मौखिक प्रश्न

विस्मय आदि भावों को प्रकट करने वाले शब्दों को विस्मयादिबोधक कहते हैं। जैसे – अरे! हाय! शबाश आदि।

गतिविधियाँ

घृणासूचक – छि: छि:! सब तरफ गंदगी की भरमार है।

स्वीकृतिसूचक – हाँ हाँ! मैं अवश्य आऊँगा।

अयसूचक – ओह! इतनी जोरदार बारिश से मन घबरा रहा है।

क्रोधसूचक – अबे! तू जाता है या कुछ प्रठाड लेगा।

संबोधनसूचक – अरे रामू ! इधर आना।

विस्मयसूचक – हैं! तूम भी पाठ हो गए।

चेतावनी सूचक – चूप! नहीं तो बहुत बुरा हो जाएगा।

अध्याय-19 वाक्य

बहुविकल्पी

1. आसावाचक 2. विधानवाचक 3. निषेधवाचक 4. प्रश्नवाचक

5. विस्मयारिवाचक

लिखित प्रश्न

(क) उद्देश्य	विधेय
1. प्रधानाचार्य ने	छात्रों को पुरस्काट बाँटे।
2. कैलाश	अपने कमरे में पढ़ रहा है।
3. चिड़िया ने	घोसंला पढ़ रहे हैं।
4. अखिलेश के पिता	अखबार पढ़ रहे हैं।
5. विभा	प्रतिदिन मंदिर जाती है।

(ख) 1. बच्चे शोर नहीं कर रहे हैं।
   2. क्या सुमन ने खाना खा लिया है?
   3. राधा प्रतिदिन मंदिर जाओ।
   4. क्या! विधाशा ने गीत गाया।

मौखिक प्रश्न

1. सार्थक शब्दों के मेल से बनी रचना वाक्य कहलाती है।
2. वाक्य में जिसके विषय में कुछ कहा जाता है उसे उद्देश्य तथा तथा जो कुछ कहा जाता है उसे विधेय कहते हैं।
3. अर्थ के आधार पर वाक्य के आठ भेद हैं।

गतिविधियाँ

(क) 1. राम ने रावण को मारा।
   2. उसने फल खरीदे।
   3. मोहन खेल रहा है।
   4. उसे उठा जाओ।
   5. अशोक महान राजा था।

(ख) नहीं - निषेधवाचक
   क्या - पश्नवाचक
   अहा - विस्मयादिवाचक
   जाओ - आज्ञावाचक
   शायद - संदेहवाचक

अध्याय-20 विराम-चिह्न

बहुविकल्पी

(क) किसी भी कथ्ज्ञन तथा वाक्य में अपनी बात को स्पष्ट करने के लिए हमें कुछ रूकना पड़ता है या विराम लेना पड़ता है। इसे प्रकट करने के लिए हम कुछ चिह्नों का प्रयोग करते हैं। जिन्हें विराम-चिह्न कहते हैं।

(ख) (।) पूर्ण विराम
   (!) विस्मयादिबोधक चिह्न
   (?) प्रश्नवाचक चिह्न
   (—) निर्देशक चिह्न
   (-) योजन चिह्न
   (,) अल्प विराम
   ("..") उद्धरण चिह्न

(ग) 1. पूर्ण विराम
   2. विस्मयारिबोधक चिह्न
   3. निर्देशक चिह्न
   4. प्रश्नवाचक चिह्न
   5. अल्पविराम, पूर्ण विराम
   6. उद्धरण चिह्न
   7. योजक चिह्न

(घ) 1. अध्यापक ने कहा — सभी बालक बैठ जाओ।
   2. उफ! गरमी के मारे जान निकल रही है।
   3. आज माता जी ने दाल-चावल बनाए है।
   4. रमन छत पर क्र्ूा कर रहा है?
   5. वह पाप-पुण्य को नही समझता।
   6. आओ, अब घर चलें।

अध्याय-21 मुहावरे और लोकोक्तियाँ

बहुविकल्पी

1. बहुत गुस्सा होना	2. बुरी तनह हराना	3. चुगली करना
4. मुकाबला करना	5. मूर्ख	6. वस्तु चुराना

लिखित प्रश्न

(क) 1. बचकर निकलना 2. चाल में असफल होना

3. चुगली करना 4. बहुत गुस्सा करना

5. भाग जाना 6. प्रतिष्ठा बढ़ाना

(ख) 1. अकेला व्यक्ति कुछ नहीं कर सकता।

राम नरेश कितना भी ताकतवार हो वह नदी के टूटे हिस्से को भर नहीं सकता क्योंकि अकेला चना भाड़ नहीं फोड़ सकता।

2. अपनी बुराई या कभी न दिखाई देना।

थाने के सामने ही रामबाबू की जेब कट गई, सच है कि चिराग तले अँधेरा।

3. दूर की वस्तु अच्छी लगती है।

मम्मी दिल्ली वाले मौसा जी की बड़ी प्रशंसा कराती हैं जबकि पड़ोस के छोटे मौसा जी की चर्चा तक पसंद नहीं करती, सच है दूर के ढोल सुहावने लगते हैं।

4. अधिक मेहनत का फल बहुत कम मिलना।

सारे दिन से मधुमक्खी के छत्ते को निकाला-साफ किया और शहद निकला एक शीशी। यह तो वही बात हुई खोदा पहाड़ निकली चुहिया।

5. जिसके पास बल है उसी की जीत होती है।

नगरपालिका चुनाव में बाबूसिंह के जीतने की ही चर्चाएँ हो रही है क्योंकि जिसकी लाठी उसकी भैंस।

(ग) आँखे दिखाना - क्रोध करना | रंगा सियार - ढोंगी व्यक्ति

घड़ो पानी पड़ना - शर्मिंदा होना | घी के दीये जलाना - खुशियाँ मनाना

कान भरना - चुगली करना | ईद का चाँद - बहुत दिनों बाद दिखाई देना

ईंट से ईंट बजाना - नष्ट-भ्रष्ट करना | हाथ मलना - पछताना

अध्याय-22 शब्द भंडार

बहुविकल्पी

1. नाग 2. अनीश्वर 3. अनल 4. आसमान 5. हवा

लिखित प्रश्न

(क)

बादल	-	मेघ	जलद	जलधर
साँप	-	भुजंग	सर्प	विषधर
कमल	-	जलज	नीरज	पंकज

सूर्य – सूयज रवि दिनकर
हाथी – गज हस्ती ऐरावत
घर – मकान गृह आवास

(ख) राजा – रंक नवीन – प्राचीन
अपना – पराया खरीद – बिड़ी
अंदर – बाहर पाप – पुण्य
आपात – अंत सुगम – दुर्गम
आदि – अंत कोमल – कठोर
स्वस्थ – अस्वस्थ धर्म – अधर्म

(ग) अर्थ – मतलब धन घन – बादल हथौड़ा
कर – करना हाथ कनक – सोना गेहूँ
सुर – आवाज देवता पानी – जल सम्मान
दल – पत्ता समूह काल – समय मृत्यु

(घ) 1. जलद – बादल – जलद जल बरसा रहे हैं।
जलज – कमल – जलज जल में जन्म लेता है।
2. गृह – घर – शिवरात्रि को हमारे यहाँ गृह प्रवेश का कार्यक्रम है।
ग्रह – आकाशीम पिंड – पृथ्वी नीला ग्रह कहलाता है।
3. अंबर – वस्त – विष्णु जी का पीले अंबर से श्रृंगार हो रहा है।
अंबार – ढेर – आँधी आने से पेड़ों के नीचे फलों का अंबार लगा है।

(ङ) 1. → 3 2. → 4 3. → निराकार 4. → अमर 5. → परमार्थी

मौखिक प्रश्न

स्वयं करें।

गतिविधियाँ

(क) स्वयं करें।

(ख) आदान – प्रदान अपना – पराया
विष – अमृत हानि – लाभ
आकाश – पाताल शूर – कायर
गन – अवगुण मान – अपमान
बुरा – भला गुप्त – प्रकट

अध्याय-23 श्रुतभाव ग्रहण

(क) 1. ज्योति पर्व 2. दीवाली 3. गर्णश 4. धन की

5. पूजन और कीर्तन 6. गोवर्धन की

7. इसका अर्थ है अपनी कर्म-कमाई से अर्जित धन को जन-कल्याण के लिए की खर्च करो।

8. इन्द्र के प्रकोप से बचाने के लिए श्री कृष्ण ने गोवर्धन पर्वत को धारण किया। था। इसी स्मृति में गोवर्धन की पूजा की जाती है।

9. व्यापारी लोग दीवाली की रात को अपने नए वही-खाते बनाकर व्यापार की शुरूआत करते हैं।

(ख) 1. पशु-पक्षी पालने का

2. बंदर

3. बंदर में बुद्धि कम होती है

4. बंदर को पंखा झलते देखकर

5. मक्खी पर

6. बंदर समझदार तथा स्वामिभक्त था।

7. बंदर को राजा के ऊपर पंखा झलते देखकर मंत्री तथा नौकर-चाकर चकित रह गए।

8. राजा की नाम पर मक्खी बैठी थ। बंदर ने मक्खी को मारने के लिए तलवार चला दी जिससे राजा की नाम कट गई।

9. मूर्ख को अपना विखासपान कभी नहीं बनाना चाहिए।

10. मूर्ख बंदर।